B.A. (Part-III) Examination, 2018

हिन्दी साहित्य

तृतीय वर्ष (प्रथम प्रश्न पत्र) : (आधुनिक काव्य)

For Collegiate Candidates

Time allowed : Three Hours Maximum marks : 100

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित है।

1. निम्न अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

(क) ज्यों-ज्यों जाते दिवस चित्त का क्लेश था वृद्धिपाता।
उत्कंठा थी अधिक बढ़ती व्यग्रता थी सताती।
होती आके उदय उर में घोर उद्विग्नताएँ।
देखे जाते सकल ब्रज के लोग उद्भ्रान्त से थे।
खाते-पीते गमन करते बैठते और सोते।
आते जाते वन अवनि में गोधनों को चराते। 10 / **अथवा**
सिद्धि-हेतु स्वामी गये, यह गौरव की बात;
पर चोरी-चोरी गये, यही बड़ा व्याघात।
सखि, वे मुझसे कहकर जाते,
कह, तो क्या मुझको वे अपनी पथ-बाधा पाते?
मुझको बहुत उन्होंने माना।
फिर भी क्या पूरा पहचाना?
मैंने मुख्य उसी को जाना,
जो वे मन में लाते।
सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

(ख) रो-रो कर सिसक सिसक कर
कहता मैं करुण कहानी
तुम सुमन नोचते सुनते
करते जानी अनजानी।
मैं बल खाता जाता था
मोहित बेसुध बलिहारी
अन्तर के तार खिंचे थे
तीखी थी तान हमारी 10 / **अथवा**
प्रथम रश्मि का आना रंगिणी।
तूने कैसे पहचाना?
कहाँ, कहाँ हे बाल विहंगिनी
पाया तूने यह गाना?
सोयी थी तू स्वप्न नीड़ में
पंखों के सुख में छिपकर,
ऊँघ रहे थे, घूम द्वार पर,
प्रहरी से जुगनू नाना;

(ग) सांप! तुम सभ्य तो हुए नहीं-
नगर में बसना भी तुम्हें नहीं आया।
एक बात पूछूँ-(उत्तर दोगे?)
तब कैसे, सीखा डँसना, विष कहाँ पाया? 10

अथवा

चाहे जिस देश प्रान्त पुर का हो
जन-जन का चेहरा एक!
एशिया की, यूरोप की, अमरीका की
गलियों की धूप एक।
कष्ट-दुख सन्ताप की,
चेहरों पर पड़ी हुई झुर्रियों का रूप एक!
जोश में यों ताकत से बँधी हुई
मुट्ठियों का एक लक्ष्य।

(घ) राँपी से ऊठी हुई आँखों ने मुझे
क्षण-भर टटोला
और फिर
जैसे पतियाए हुए स्वर में
वह हँसते हुए बोला-
बाबूजी! सच कहूँ-मेरी निगाह में
न कोई छोटा है
न कोई बड़ा है
मेरे लिए, हर आदमी एक जोड़ी जूता है
जो मेरे सामने
मरम्मत के लिए खड़ा है। 10

अथवा

हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए,
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

2. हरिऔध की 'प्रिय प्रवास' की मूल भावना स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

जय शंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं की विवेचना कीजिये।

3. 'अज्ञेय प्रयोगवादी काव्य धारा के प्रतिनिधि कवि हैं।' अज्ञेय की काव्य-प्रवृत्तियों के आधार पर कथन का विश्लेषण कीजिये। 15

अथवा

मुक्तिबोध की कविताओं की विशेषताएं बताइये।

4. धूमिल की कविता 'मोची राम' की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिये। 15

अथवा

''दुष्यन्त कुमार की गजलें समकालीन भारत की त्रासदियों की अभिव्यक्ति है।'' कथन की विवेचना कीजिये।

5. राष्ट्रीय काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइये। 15

अथवा

नई कविता की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिये।